

- कार्यशाला में भगवान श्रीकृष्ण और राधा के साथ गोकुल धाम की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही।
- माटीकला टेराफेस्ट का उद्देश्य पारंपरिक कुम्हारों को आधुनिक डिजाइन, नए बाजार और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना तथा नई पीढ़ी को सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना है। आयोजन ने स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहन और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

गौहर महल में माटीकला टेराफेस्ट

मिट्टी पर उकेरी मप्र की विरासत

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः गौहर महल में आयोजित माटीकला टेराफेस्ट-2026 में रविवार को पारंपरिक माटीकला और आधुनिक चित्रकला का अनूठा संगम देखने को मिला। मेले के अंतर्गत आयोजित लाइव पेंटिंग कार्यशाला में पारंपरिक कुम्हार कलाकारों के साथ प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय हमीदिया महाविद्यालय के ललित कला विभाग के प्रोफेसर आलोक भावसार, अन्य शिक्षकों और विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यशाला में मिट्टी के बर्तनों पर मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को रंगों के माध्यम से उकेरा गया। इनमें प्रदेश के ऐतिहासिक किले, महेश्वर के घाट, खजुराहो के मंदिर, भीमबेटका की शैलकला, जनजातीय कला और प्राकृतिक दृश्य शामिल रहे। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकसित मध्यप्रदेश की थीम को भी कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों ने पारंपरिक शिल्पियों से बर्तनों की बनावट और चित्रकारी की बारीकियां सीखीं। बच्चों ने कुम्हारों के मार्गदर्शन में चाक पर मिट्टी के बर्तन भी बनाए।

धनतेरस पर सभी मंत्री, सांसद और विधायक कराएंगे मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना की शत-प्रतिशत रजिस्ट्री

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में जिन भू-स्वामियों के पास प्लॉट या मकान के पट्टे हैं, लेकिन पक्की रजिस्ट्री नहीं है, उन्हें मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के तहत निःशुल्क पक्की रजिस्ट्री कराकर दी जाएगी। इसके लिए लगने वाला स्टाम्प शुल्क राज्य सरकार वहन करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को अभियान में तेजी लाकर सभी पात्र भू-स्वामियों की रजिस्ट्री जल्द पूरी कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पक्की रजिस्ट्री मिलने से भू-स्वामियों को मालिकाना हक मिलेगा और वे अपनी संपत्ति का क्रय-विक्रय करने के साथ उस पर ऋण लेने के लिए भी पात्र हो सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आगामी 6 नवंबर को धनतेरस के दिन सभी मंत्री, सांसद और विधायक अपने पैतृक ग्राम या पसंद के किसी गांव में जाकर योजना के तहत शत-प्रतिशत रजिस्ट्री अपने सामने पूरी कराएंगे। जिला कलेक्टर जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय कर रजिस्ट्री प्रक्रिया पूरी कराएंगे। इसके बाद गांव में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और अगले वर्ष इसे युवा वर्ष से भी जोड़ा जाएगा।

सेना दिवस समारोह 15 जनवरी को, शौर्य देखने का अवसर मिलेगाः डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने शौर्य स्मारक पर अर्जुन का पौधा लगाकर संकल्प वृक्ष अभियान का शुभारंभ किया



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में 15 जनवरी 2027 को सेना दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर शौर्य स्मारक में अर्जुन का पौधा लगाकर संकल्प वृक्ष पौध-रोपण अभियान के माध्यम से आयोजन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रदेश के लिए गौरव और सौभाग्य का विषय है कि 1 नवंबर से 15 जनवरी तक भारतीय सेना अपने अदम्य पराक्रम, पुरुषार्थ और शौर्य का प्रदर्शन भोपाल की धरती पर करेगी। सेना दिवस पर आमजन को देश की वीर सेना के शौर्य को देखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने आयोजन के लिए रक्षा मंत्रालय और सेना सहित सभी आयोजकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने शौर्य स्मारक के स्मारक स्तंभ पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी और भारत माता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने प्रदेश के 55 जिलों से लाई गई मिट्टी के समायोजन को विविधता में एकता का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री ने सेना दिवस की रूपरेखा प्रस्तुत करने वाली सैन्य प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इसमें सेना दिवस परेड, रण हुंकार, एकीकृत युद्ध प्रदर्शन और सैन्य प्रदर्शनी से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की गई। डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सैन्य व्यवस्था में अनेक नवाचार किए हैं। अग्निवीर योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रसेवा, अनुशासन और देशभक्ति की भावना विकसित हो रही है।

एग्रीस्टैक योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देशभर में पहला

- उर्वरक वितरण की ई-विकास व्यवस्था भी पहली बार लागू

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः केंद्र सरकार की एग्रीस्टैक योजना के बेहतर क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। इसके तहत 1.20 करोड़ से अधिक किसानों की आईडी बनाई गई है और करीब 4 करोड़ खेतों का सर्वे कर जियो रेफरेंसिंग की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। किसान कल्याण वर्ष में सरसों और सोयाबीन के लिए भावांतर योजना लागू की गई है। उड़द के उपार्जन पर न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त 600 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना के तहत 15 जिलों के 4,000 किसानों से 3,000 मीट्रिक टन श्रीअन्न का उपार्जन कर 1,000 रुपये प्रति क्विंटल प्रोत्साहन राशि दी गई है। प्रदेश में कृषि उर्वरक वितरण एवं आपूर्ति समाधान प्रणाली ई-विकास के माध्यम से उर्वरक वितरण किया गया। यह व्यवस्था देश में पहली बार लागू की गई है। इसके माध्यम से पात्र किसानों को 34.46 लाख मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध कराया गया। इससे 3.94 लाख मीट्रिक टन उर्वरक और 764.65 करोड़ के अनुदान की बचत हुई है। किसानों की सुविधा के लिए मंडियों में सफाई, ग्रेडिंग और पैकेजिंग प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं।

अर्णव के शांत होते ही बंगाल की खाड़ी में उठा मुरासु

- 10 साल में पांचवीं बार एक सप्ताह के अंतर में बने दो चक्रवाती तूफान
- मध्य प्रदेश में फिर बादल छाने, गरज-चमक के साथ वर्षा के आसार

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः बंगाल की खाड़ी में बने भीषण चक्रवाती तूफान अर्णव के समाप्त होने के एक सप्ताह के अंतराल में वहीं एक नया भीषण चक्रवाती तूफान मुरासु बन गया है।

इससे एक बार फिर मंगलवार से मध्य प्रदेश में बादलों के डेरा डालने और कई जिलों में गरज-चमक के वर्षा होने की संभावना बन गई है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक 10 वर्ष में पांचवीं बार एक सप्ताह के अंतर में दो तूफान बनने के मामले सामने आ चुके हैं। उधर वातावरण में काफी नमी रहने के कारण सोमवार को रीवा, शहडोल, जबलपुर, सागर संभाग के जिलों में हल्की वर्षा हो सकती है। पिछले



24 घंटों के दौरान रविवार सुबह तक रीवा,शहडोल, सागर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा हुई। शेष सभी संभागों के जिलों में मौसम शुष्क रहा। रात का सबसे कम 14.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दमोह में रिकार्ड किया गया।

तूफान के अलावा सक्रिय हैं दो अन्य मौसम प्रणालियां

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम और उससे लगे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी पर बना गहरा कम दबाव का क्षेत्र रविवार शाम को दक्षिण-पश्चिम और उससे लगी पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान मुरासु में बदल गया है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए सोमवार को तीव्र चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। साथ ही अति भीषण तूफान बनने के बाद मंगलवार सुबह आंध्र प्रदेश के तट से टकराने के आसार हैं। उधर दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है। एक पश्चिमी विक्षोभ अरब सागर पर द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। इन मौसम प्रणालियों के अलावा वर्तमान में पूर्वी मध्य प्रदेश के वातावरण में काफी नमी बनी हुई है। जिसके चलते सोमवार को रीवा,शहडोल,जबलपुर,सागर संभाग के जिलों में हल्की वर्षा हो सकती है। मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि मुरासु के असर से मंगलवार से प्रदेश में बादल छा सकते हैं। साथ ही कई क्षेत्रों में गरज-चमक की स्थिति भी बन सकती है, लेकिन इसका प्रभाव सबसे ज्यादा छत्तीसगढ़ एवं उससे लगे पूर्वी मध्य प्रदेश के जिलों में वर्षा के रूप में दिख सकता है।

एक सप्ताह के अंतर में बने चक्रवाती तूफान

- 2016 -29 नवंबर से 2 दिसंबर नाम नाडा (बंगाल की खाड़ी) वरधा 6 दिसंबर से 13 दिसंबर (बंगाल की खाड़ी)
- 2019- माहा 30 अक्टूबर से 7 नवंबर(अरब सागर), क्यार 24 अक्टूबर से 2 नवंबर (अरब सागर)
- 2020- निवार 22 से 26 नवंबर, बुरेवी 30 नवंबर से 5 दिसंबर (बंगाल की खाड़ी)
- 2021- गुलाब 24 से 28 सितंबर (बंगाल की खाड़ी)शाहीन 30 सितंबर से 4 अक्टूबर (अरब सागर)
- 2026 अर्णव 24 से 29 अक्टूबर मुरासु वर्तमान में सक्रिय (बंगाल की खाड़ी)

'सृजन' की प्रेरक गतिविधियां 'मन की बात' में होंगी शामिलःसबनानी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश पुलिस के सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम 'सृजन' के तहत वंचित वर्गों के किशोर-किशोरियों को आत्मरक्षा, सुरक्षा और व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि सृजन कार्यक्रम की प्रेरक गतिविधियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम में शामिल की जाएंगी। 31 अक्टूबर को थाना कमला नगर, पुलिस विभाग और उदय संस्था के संयुक्त तत्वावधान में राज्य पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान के ऑडिटोरियम, कोटरा में सृजन प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें लगभग 150 किशोर-किशोरियों, शक्ति समिति के सदस्यों और समुदाय के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। मुख्य अतिथि विधायक भगवानदास सबनानी और विशिष्ट अतिथि डीआईजी सामुदायिक पुलिसिंग विनीत कपूर उपस्थित

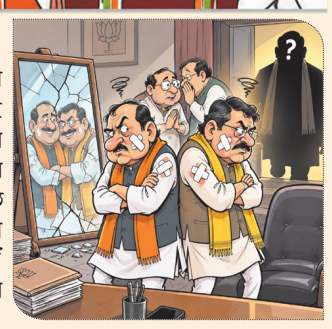


रहे। कार्यक्रम में 80 किशोर-किशोरियों को सृजन प्रमाण पत्र और पहचान पत्र वितरित किए गए। सबनानी ने बच्चों के आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। डीआईजी विनीत कपूर ने कार्यक्रम की कार्यप्रणाली और उपलब्धियों को नीतिगत बैठकों में साझा करने का आग्रह किया, ताकि इसका लाभ प्रदेश के अधिकाधिक वंचित बच्चों तक पहुंच सके।

वर्ष 2022 में शुरू किया गया सृजन कार्यक्रम आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए संचालित है। इसके तहत आत्मरक्षा, मार्शल आर्ट, बाल अधिकार, पॉक्सो अधिनियम, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य, जीवन कौशल और व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण दिया जाता है।



• डर के आगे जीत है...



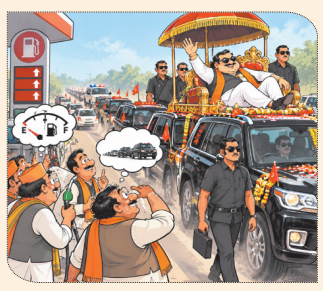
पिछले दिनों विंध्य क्षेत्र में सत्ताधारी दल के दो पदाधिकारी आपसी मतभेद को थाने तक जाने से रोककर पार्टी और सरकार की किरकिरी होने से बचाने की कोशिश में सफल तो हो गए, लेकिन अपनी सार्वजनिक रूप से हो रही उपेक्षा और बेइज्जती को अधिक दिनों तक रोक नहीं सके। कुछ अपनों की सलाह पर नवनियुक्त प्रभारी के सामने अपनी उपेक्षा और बेइज्जती को सार्वजनिक कर वे फिर चर्चा में हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण चर्चा शिकायतों से ज्यादा इस बात की हो रही है कि इसके पीछे कौन-सा बड़ा नेता है।

• फिर मामला सुर्खियों में...



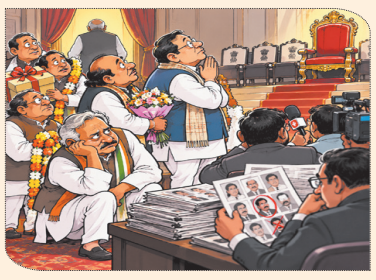
डॉ. मोहन सरकार के एक माननीय पर एक बार फिर उन्हीं के क्षेत्र से आरोप लगाए गए हैं। सत्ता और संगठन, दोनों के सामने यह चुनौती है कि इस मामले से कैसे पीछा छुड़ाएं, क्योंकि मामला सिर्फ आदिवासी समाज की महिला का नहीं है, बल्कि इस समाज की बेटियों की आवाज के साथ-साथ परंपरा पर भी चर्चा होगी। कुछ बरस पहले विपक्ष के एक माननीय पर ऐसे आरोप लगाए गए थे, तो सत्ताधारी दल ने कड़ी कार्रवाई पर जोर दिया था।

• नेताजी की सवारी सब ...



पिछले दिनों एक नेताजी, जो ग्वालियर-चंबल संभाग में बहुत बड़ा चेहरा हैं, ने अपने दौरे के दौरान जिस शाही सवारी का आनंद लिया, उसका स्थानीय कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग अंदाज में विश्लेषण किया। किसी का कहना है कि बढ़ती पेट्रोल-डीजल की कीमतों के बीच यह सरकार की नीति के अनुरूप वाहनों का उपयोग कम से कम करने का संदेश है, तो कुछ कह रहे हैं कि यह अपना संदेश पहुंचाने का तरीका है। लेकिन सच्चाई क्या है, यह तो पाठक ही बताएंगे।

• फिर नाउम्मीद हुए हुजूर...



लंबे समय से अपनी बारी का इंतजार करते-करते बहुत से वरिष्ठ माननीय अब निराश हो गए हैं। पहले उम्मीद थी कि महामहिम बनने का मौका मिलेगा, फिर अचानक एक राज्यसभा सीट पर सभी की निगाहें टिक गईं, लेकिन यहां भी नाउम्मीद हुए। पूछने पर ठीकरा मीडिया के माथे फोड़ा कि आप लोग ही नाम चलाते हैं और आप लोग ही निपटाते हैं।

• जीत-हार का गणित...



बुंदेलखंड के सबसे महत्वपूर्ण जिले से कई बड़े कद के माननीयों की सियासत का केंद्र चर्चा का विषय बना रहता है। पिछले दिनों अचानक दो बड़े पदों पर बैठे ताकतवर नौकरशाहों के तबादलों के साथ ही हर चौराहे पर यही चर्चा है कि असली ताकतवर कौन है।

• तंज या फिर कसक...



मालवा क्षेत्र में अपनी अलग राजनीतिक धाक रखने और हमेशा स्पष्ट बोलने वाले माननीय की एक टिप्पणी इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। जब माननीय ने मंच से यह टिप्पणी की, उस समय मंच पर मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्री भी बैठे थे। अब लोग चर्चा कर रहे हैं कि यह टिप्पणी थी या फिर दिल की कसक, जो बाहर आ गई।

पांढुर्णाः खेत में बिना मुंडेर के कुएं में गिरा तेंदुआ, खटिया और सीढ़ी के सहारे निकला

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश के पांढुर्णा जिले के ग्राम बोथिया में शनिवार को एक तेंदुआ किसान के खेत में बने बिना मुडेर के कुएं में गिर गया। वह करीब 15 घंटे तक अंदर फंसा रहा। वन विभाग की टीम ने कुएं में खटिया और सीढ़ी लगाई, ताकि तेंदुआ खुद बाहर निकल सके। रविवार सुबह टीम दोबारा मौके पर पहुंची तो तेंदुआ कुएं से निकलकर जंगल की ओर जा चुका था।

मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित ग्राम बोथिया के रहने वाले किसान भाऊराव खवसे शनिवार को खेत में कुएं की मोटर चालू करने पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी नजर कुएं के एक कोने में बैठे तेंदुए पर पड़ी। उन्होंने आसपास के किसानों को सूचना दी। देखते ही देखते ग्रामीणों की



भीड़ जमा हो गई। इसके बाद वन विभाग को इसकी जानकारी दी गई। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। देर शाम तक चले रेस्क्यू के बावजूद तेंदुए को सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता नहीं मिली।

क्षेत्र के डिप्टी रेंजर गुलाब धुर्वे ने बताया कि शनिवार को वन विभाग की टीम ने कुएं में गिरे तेंदुए को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू किया था। रात होने के कारण टीम ने कुएं में खटिया डाली और रस्सी की सीढ़ी बनाकर छोड़ दी, ताकि तेंदुआ खुद बाहर निकल सके। रविवार सुबह वन विभाग की टीम दोबारा खेत पर पहुंची तो कुएं में तेंदुआ नहीं मिला। आसपास निरीक्षण करने पर खेत में उसके पंजों के निशान मिले। विभाग ने इनका पंचनामा तैयार किया है।

दरअसल, बोथिया गांव मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित है। आसपास घना जंगल होने के कारण यहां तेंदुओं समेत अन्य वन्यजीवों की आवाजाही बनी रहती है। क्षेत्र में पांच से अधिक तेंदुओं की मौजूदगी बताई जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, हर 15 से 20 दिन में तेंदुए मवेशियों का शिकार कर रहे हैं।

पुलिस कल्याण और सेवा सुविधाओं पर बैठक आज

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश पुलिस में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों के कल्याण, सेवा सुविधाओं तथा कार्य परिस्थितियों में सुधार के उद्देश्य से राज्यस्तरीय संयुक्त पुलिस परामर्शदात्री समिति एवं पुलिस कल्याण समिति की वार्षिक बैठक 2 नवंबर को आयोजित की जाएगी। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा की अध्यक्षता में सुबह 10 बजे भोपाल स्थित आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में बैठक होगी।

बैठक में पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभिन्न पुलिस इकाइयों और वाहिनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसमें पुलिसकर्मियों की सेवा संबंधी आवश्यकताओं, समस्याओं और कल्याणकारी व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। समिति पुलिस नेतृत्व और मैदानी स्तर पर कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों के बीच संवाद का महत्वपूर्ण मंच है।

बैठक में कार्य परिस्थितियों में सुधार, ड्यूटी और अवकाश व्यवस्था, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाएं, आवास, शिक्षा, आर्थिक और आकस्मिक सहायता तथा परिवार कल्याण से जुड़े विषयों पर सुझाव लिए जाएंगे। इसके अलावा पुलिसकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, खेल और शारीरिक गतिविधियों को प्रोत्साहन, सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के कल्याण तथा पुलिस परिवारों के लिए उपलब्ध सुविधाओं को बेहतर बनाने पर भी चर्चा होगी।

अवलोकन *मध्यप्रदेश की पहचान गौरवशाली इतिहास...*

समृद्ध संस्कृति और जनजातीय परंपराओं से : खण्डेलवाल

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने रविवार को बैतूल के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के जिला स्तरीय समारोह में प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की पहचान उसके गौरवशाली इतिहास, समृद्ध संस्कृति और जनजातीय परंपराओं से है।

प्रदेश की धरती ने देश को सांस्कृतिक विरासत, महान व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा दी है। उन्होंने लाभार्थियों को हितलाभ वितरित किए तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, लोकतंत्र सेनानियों और उनके परिजनों को सम्मानित किया।

श्री खण्डेलवाल ने कहा कि प्रदेश में सड़क, बिजली, सिंचाई, उद्योग, पर्यटन और अधोसंरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। बैतूल भी नगर से महानगर की ओर तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से दूरस्थ क्षेत्रों की कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। आने वाले समय में बैतूल-अमरावती मार्ग को समृद्धि महामार्ग से जोड़ने और अन्य फोरलेन परियोजनाओं से संपर्क और मजबूत होगा।

उन्होंने बताया कि औद्योगिक



विकास के लिए जिले में 1000 एकड़ से अधिक का लैंड बैंक उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। इससे नए उद्योग स्थापित होंगे और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। खेल सुविधाओं के विकास की भी तैयारी है।

खण्डेलवाल ने कहा कि खेड़ला किला, मुलताई का तासी उद्गम, सतपुड़ा क्षेत्र और कुकरू पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। कुकरू को प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। तासी कंजर्वेशन रिजर्व और बटरफ्लाई पार्क से जैव विविधता संरक्षण तथा पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। बैतूल में आधुनिक ऑडिटोरियम और बरसाली के समीप स्थित भारत के केंद्र बिंदु क्षेत्र के विकास की योजना भी बनाई जा रही है।

कार्यक्रम में विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, गंगाबाई उइके, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर, जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार सहित जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादकः डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादकः अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com